SIR CV RAMAN NOBEL LAUREATE

NATIONAL SCIENCE DAY 2021

PROMOTING SCIENTIFIC LITERACY
BUILDING SCIENTIFIC TEMPER

# विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार हेतु वर्ष २०२० के राष्ट्रीय पुरस्कार

# National Awards for Science and Technology Communication for the year 2020

सत्यमेव जयते

National Council for Science & Technology Communication
Department of Science & Technology
Ministry of Science & Technology, Govt. of India
New Delhi

राविप्रौसंप NCSTC

## राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद् (एनसीएसटीसी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन भारत सरकार का एक शीर्ष निकाय है जो निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रयासरत है:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का संचार
वैज्ञानिक अभिरूचि को बढ़ावा देना
ऐसे प्रयासों को समन्वित एवं संगठित करना

## हमारे लक्ष्य हैं:

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुई प्रगति के संबंध में जागृति पैदा करना
समुदाय को जानकारी युक्त निर्णय लेने में सक्षम बनाना
विकास संबंधी–मुद्दों पर सूचनाप्रद बहस को बढ़ावा देना

## हमारे महत्वपूर्ण सहभागी हैं:

सरकार के मंत्रालय एवं विभाग
विश्वविद्यालय एवं शैक्षणिक संस्थान
अनुसंधान प्रयोगशालाएं
प्रसार भारती/आकाशवाणी और दूरदर्शन

## NATIONAL COUNCIL FOR SCIENCE & TECHNOLOGY COMMUNICATION (NCSTC) IS AN APEX BODY OF THE GOVERNMENT OF INDIA UNDER THE DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY THAT ENDEAVOURS TO:

- Communicate science & technology
- Stimulate scientific temper
- Coordinate and orchestrate such efforts

## Our Goals are:

- To create excitement concerning advances in science & technology
- To enable informed decision-making in the community
- To encourage informed debate on developmental issues

## Our Important Partners are:

- Government Ministries and Departments
- Universities and Academic Institutions
- Research Laboratories
- Prasar Bharati /All India Radio and Doordarshan

# वर्ष 2020 के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार राष्ट्रीय पुरस्कार

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद् (एनसीएसटीसी) द्वारा विज्ञान लोकप्रियकरण और संचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयासों को उत्प्रेरित, प्रोत्साहित और मान्यता प्रदान करने के लिए सन् 1987 में राष्ट्रीय पुरस्कारों की स्थापना की गई। इस क्षेत्र में छः श्रेणियां हैं।

## (क) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारः

यह पुरस्कार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में विगत पांच वर्षों के दौरान उत्कृष्ट कार्य के लिए और/अथवा देश में व्यापक रूप से प्रभावी, वैज्ञानिक अभिरूचि का संवर्धन करने वाले व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 5,00,000/– (पांच लाख रुपये), स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

## (ख) पुस्तकों एवं पत्रिकाओं सहित प्रिंट मीडिया के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारः

यह पुरस्कार विगत पांच वर्षों के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लोकप्रियकरण और/अथवा पुस्तकों, पत्रिकाओं, इन्टरनेट आदि सहित प्रिंट मीडिया के माध्यम से वैज्ञानिक अभिरूचि को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट प्रयास के लिए किसी व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 2,00,000/– (दो लाख रुपये), स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

## (ग) बच्चों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लोकप्रियकरण में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारः

यह पुरस्कार विगत पांच वर्षों के दौरान बच्चों के बीच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लोकप्रियकरण में उत्कृष्ट कार्य के लिए और/अथवा देश में व्यापक रूप से प्रभावी वैज्ञानिक अभिरूचि का संवर्धन करने के लिए किसी व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 2,00,000/– (दो लाख रुपये), स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

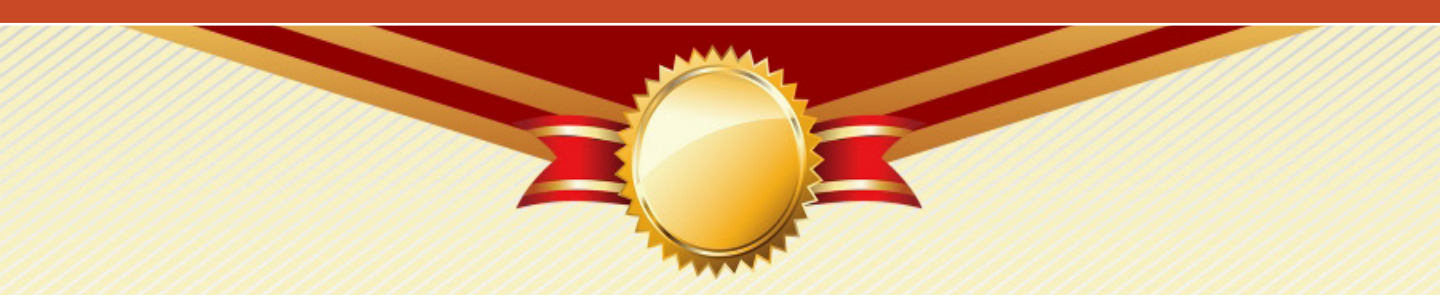

# NATIONAL AWARDS FOR SCIENCE AND TECHNOLOGY COMMUNICATION FOR THE YEAR 2020

**National Council for Science & Technology Communication (NCSTC) instituted national awards in 1987 to stimulate, encourage and recognize outstanding efforts in the area of science popularization and communication. There are six categories of awards as below:**

## A. National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Communication

This award is presented to an individual or an institution for outstanding work in communication of science and technology and/or promoting scientific temper which had the widest impact in the country during the past five years. The award consists of Rs.5,00,000/- (Rupees five lakh), a memento and a citation.

## B. National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Communication through Print Media including Books and Magazines

This award is presented to an individual or an institution for outstanding efforts in popularization of science & technology and/or promoting scientific temper through print media including books, magazines, internet, etc, during the past five years. The award consists of Rs.2,00,000/- (Rupees two lakh), a memento and a citation.

## C. National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Popularization among Children

This award is presented to an individual or an institution for outstanding work in popularization of science & technology and/or promotion of scientific temper among children which has the widest impact in the country during the past five years. The award consists of Rs.2,00,000/- (Rupees two lakh), a memento and a citation.

## (घ) लोकप्रिय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी साहित्य का संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित भाषाओं तथा अंग्रेजी में अनुवाद करने में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारः

यह पुरस्कार विगत पांच वर्षों के दौरान लोकप्रिय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी साहित्य का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने में उत्कृष्ट योगदान के लिए किसी व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 2,00,000/– (दो लाख रुपये), स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

## (ड.) नवप्रवर्तक एवं पारंपरिक प्रणालियों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारः

यह पुरस्कार विगत पांच वर्षों के दौरान परंपरागत व नवप्रवर्तक प्रणालियों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के संचार और/अथवा वैज्ञानिक अभिरूचि के प्रोत्साहन में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए किसी व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 2,00,000/– (दो लाख रुपये), स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

## (च) इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारः

यह पुरस्कार विचाराधीन अवधि के दौरान रेडियो और/अथवा टेलीविजन मीडिया के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के संचार और/अथवा वैज्ञानिक अभिरूचि के प्रोत्साहन में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए किसी व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 2,00,000/– (दो लाख रुपये), स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

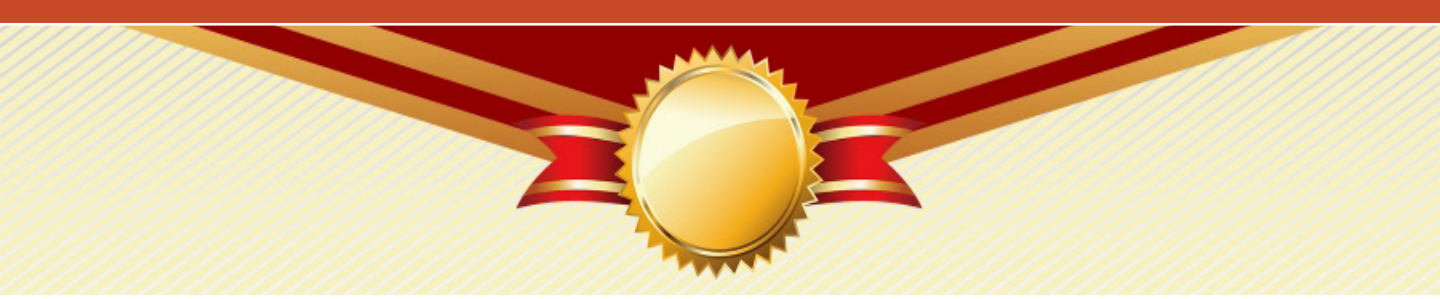

## D. National Award for Outstanding Efforts in Translation of Popular Science & Technology Literature in languages mentioned in the eighth schedule of the Constitution of India and in English

This award is presented to an individual or an institution for outstanding work in translating popular science and technology literature in and from regional languages during the past five years. The award consists of Rs.2,00,000/- (Rupees two lakh), a memento and a citation.

## E. National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Communication through Innovative and Traditional Methods

This award is presented to an individual or an institution for outstanding efforts in communication of science & technology and/or promotion of scientific temper through innovative and traditional methods during the past five years. The award consists of Rs.2,00,000/- (Rupees two lakh), a memento and a citation.

## F. National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Communication in Electronic Media

This award is presented to an individual or an institution for outstanding efforts in communication of science & technology and/or promotion of scientific temper through radio and/or television media during the past five years. The award consists of Rs.2,00,000/- (Rupees two lakh), a memento and a citation.

## 2020 के पुरस्कार निम्नलिखित उम्मीदवारों को दिए गये:

### पुरस्तकों और पत्रिकाओं सहित प्रिंट मीडिया के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारः डॉ. एस. अनिल कुमार, केरल

### डॉ. एस. अनिल कुमार

डॉ. एस. अनिल कुमार (अनिल कुमार वडावथूर) मलयालम में एक प्रसिद्ध लोकप्रिय लेखक हैं। उन्होंने 1500 नवोदित पत्रकारों को प्रशिक्षण प्रदान किया, कार्यशालाएँ आयोजित कीं, सैकड़ों कक्षाओं को शामिल किया और विज्ञान संचार के क्षेत्र में संचारकों के लिए आधा दर्जन पाठ्य पुस्तकें लिखीं। उन्होंने 1500 से अधिक लेख/सुविधाएँ प्रकाशित कीं और लोकप्रिय विज्ञान में 40 पुस्तकें लिखीं, जिसमें पत्रकारों के लिए मलयालम में पहली वैज्ञानिक शब्दावली पुस्तिका भी शामिल है। 2008 में शुरू किया गया उनका लोकप्रिय विज्ञान स्तंभ, 'सास्त्रविचारम', मलयालम में सबसे लंबे समय तक चलने वाला लोकप्रिय स्तंभ माना जाता है। 'साइंस कम्युनिकटेर' पत्रिका के संस्थापक, संपादक और प्रकाशक हैं।


### डॉ. एस. अनिल कुमार

लक्ष्मी नारायण विलास,

वडावठूर पो. ओ. कोट्टायम – केरल

## THE AWARDS FOR 2020 WERE GIVEN TO THE FOLLOWING NOMINEES:

### National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Communication through Print Media including Books and Magazines: Dr. S. Anil Kumar, Kerala

### Dr. S. Anil Kumar

Dr. S. Anil Kumar (Anilkumar Vadavathoor) is a well known popular science writer in Malayalam. He provided training to 1500 budding journalists, organised workshops, engaged hundreds of classes & wrote half a dozen text books for communicators in the area of science communication. He published more than 1500 articles/features and authored 40 books in popular science including the first ever scientific terminology handbook in Malayalam for journalists. His Popular Science column, 'Sastravicharam', started in 2008, is considered as the longest running popular science column in Malyalam. He is the founder editor and publisher of 'Science Communicator' journal.


### Dr S. Anil Kumar

Lakshmi Narayana Vilas,

Vadavathoor P.O. Kottayam - Kerala

# बच्चों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लोकप्रियकरण में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार: (1) इंडियन रिसोर्स एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन , हरियाणा (2) ई. मिहिर कुमार पांडा, उड़ीशा

## (1) इंडियन रिसोर्स एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन

इंडियन रिसोर्स एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन (IRADA) हरियाणा में बच्चों के बीच वैज्ञानिक अभिरूचि विकसित करने और समाज के विभिन्न वर्गों को लाभ पहुँचाने के लिए कई प्रकार के अनूठे औजारों और तकनीकों का उपयोग करके वैज्ञानिक जागरूकता फैलाने वाला एक अग्रणी संगठन है। इस उद्देष्य के साथ वे प्रशिक्षण, प्रदर्शनियों, स्लाइड/फिल्म शो, प्रश्न–उत्तर सत्र, वैज्ञानिक प्रयोग कार्यशाला, आकाश अवलोकन गतिविधियाँ, कठपुतली और व्याख्यान के माध्यम से जन–जन तक पहुँच चुके हैं। IRADA ने छात्रों के लिए अपने स्वयं के संसाधन के साथ विज्ञान प्रयोग किट विकसित की है। इसने STEM डेमो, विज्ञान मेलों, वार्ता, व्याख्यान, प्रयोगात्मक प्रदर्शनों के माध्यम से लाखों ग्रामीण और शहरी बच्चों के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाया।

### इंडियन रिसोर्स एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन

ढांड मार्ग, निकट एक्सिस बैंक

थानेसर, कुरुक्षेत्र, हरियाणा

## (2) ई. मिहिर कुमार पांडा

ई. मिहिर कुमार पांडा ओडिशा के एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक, शैक्षिक और सामाजिक नवप्रवर्तनकर्ता हैं। वह पिछले 25 वर्षों से बच्चों के बीच विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) के लोकप्रियकरण के लिए ओडिशा मे आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने 1996 से बहनागा, जिला बालासोर, ओडिशा में ''सामाजिक विकास अनुसंधान संगठन विज्ञान, प्रौद्योगिकी और कार्यान्वयन (SROSTI) की स्थापना की है जिसमें 10,000 से अधिक विभिन्न प्रकार के नवीन मॉडल, जिसमें शिक्षण सहायक सामग्री शामिल हैं, का स्वतंत्र रूप से प्रदर्शन किया गया है। यह मॉडल्स स्कूल और कॉलेज विज्ञान प्रदर्शनियों, शिक्षकों और छात्रों और अन्य लोगों के लिए नवीन शिक्षण और खेल आधारित शिक्षण तरीकों के लिए आवश्यक मार्गदर्शक बन गए हैं।

### ई. मिहिर कुमार पांडा

आर.के. इंटीग्रेटेड फार्म कैम्पस

एट/पो.आ. बहनागा, जिला–बालासोर, ओडिशा

## National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Popularization among Children: (1) Indian Resource and Development Association, Haryana (2) Er. Mihir Kumar Panda, Odisha

### (1) Indian Resource and Development Association

### Indian Resource and Development Association (IRADA)

Indian Resource and Development Association (IRADA) is a pioneer organization developing scientific temper among children in the Haryana and spreading scientific awareness using a variety of unique tools and techniques for delivering benefit to various sections of society. With this aim they have reached the masses through trainings, exhibitions, slide/ film shows, question-answer sessions, scientific experiment workshops, sky observation activities, puppetry and lectures. IRADA has developed science experiments kit with its own resource for students. It popularized science among millions of rural and urban children through STEM demos, science fairs, talks, lectures, hands-on demonstrations.

### Indian Resource and Development Association

Dhand Road, Near Axis Bank

Thanesar, Kurukshetra, Haryana

### (2) Er. Mihir Kumar Panda

Dr. Mihir Kumar Panda is a renowned scientific, educational & societal innovator of Odisha. He is spearheading the Scientific Movement in Odisha for Popularization of Science, Technology, Engineering & Mathematics (STEM) among children since last 25 years. He has set up "Social Development Research Organization for Science, Technology & Implementation (SROSTI)" since 1996 at Bahanaga, Dist. Balasore, Odisha wherein more than 10,000 different types of innovative models including teaching aids have been demonstrated freely. They have become essential guide for school & college science exhibitions, innovative learning & play way method for the teachers, students and others.

### Er. Mihir Kumar Panda

R.K. Integrated Farm Campus

At/PO- Bahanaga, Dist.-Balasore, Odisha

# नवप्रवर्तक एवं पारंपरिक प्रणालियों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारः (1) डॉ. शेफाली गुलाटी, दिल्ली (2) श्री राकेश खत्री, दिल्ली

## (1) डॉ. शेफाली गुलाटी

डॉ. शेफाली गुलाटी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य व्याख्यान और प्रिंट और ऑडियोविजुअल मीडिया द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लोकप्रियकरण और इसके संचार में योगदान दिया है। उन्होंने बाल देखभाल और माता–पिता/पेशवरों की जागरूकता के निर्माण के लिए विभिन्न नवीन उपकरण विकसित किए हैं। वह न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों वाले बच्चों की देखभाल को बदलने में सहायक रही हैं। उन्होंने वेबसाइट –www.pedneuroaiims.org, मोबाइल ऐप Pedneuroaiims, ई-लर्निंग मॉडयूल (https://pedneuroaiims.chalopadho.com), न्यूरोफार्माकोपिया, माता–पिता शिक्षण सामग्री/वीडियो, राष्ट्रीय बाल न्यूरोलॉजी हेल्पलाइन/टेली–परामर्श (24x7, टोल फ्री) के माध्यम से शैक्षणिक/रोगी देखभाल/अनुसंधान/वकालत का बीड़ा उठाया है।


### डॉ. शेफाली गुलाटी

बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,

अंसारी नगर, नई दिल्ली


## (2) श्री राकेश खत्री

राकेश खत्री एक प्रकृतिवादी और फिल्म निर्माता हैं, जिन्होंने स्थायी भविष्य के लिए वैज्ञानिक जागरूकता फैलाने में तीन दशक बिताए हैं। वह रंगमंच, कार्यशालाओं, फिल्म बनाने, अभिनव मॉडल और खेल और प्रकृति यात्राओं के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बना रहे हैं। उन्होंने पक्षियों, जैव विविधता, जल और प्रकृति के संरक्षण, ई कचरे के प्रबंधन आदि के बारे में वैज्ञानिक साक्षरता फैलाने के लिए शिक्षकों और छात्रों के लिए अभियान और प्रशिक्षण किए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय मीडिया और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ हरित मीडिया साक्षरता को बढ़ावा दिया है। उन्होंने शिक्षकों, क्रिएटिव्स, छात्रों, स्वयंसेवकों, स्कूलों, कॉलेजों और गैर सरकारी संगठनों के साथ ईकोमास्टरर्स@ग्रीनमीडिया.नेट जैसे अखिल भारतीय नेटवर्क स्थापित किए। उन्होंने 1600 से अधिक कार्यशालाएं भी आयोजित कीं, जूट, लकड़ी और अन्य पुनर्नवीनीकरण सामग्री के बने 1,25,000 गौरैया के घोंसले बनाए और स्थापित किए।


### श्री राकेश खत्री

6 ए, पॉकेट –6, एम . आई . जी . फ्लैट्स, मयूर विहार फेज –3, दिल्ली

## National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Communication through Innovative and Traditional Methods: (1) Dr Sheffali Gulati, Delhi (2) Shri Rakesh Khatri, Delhi

### (1) Dr Sheffali Gulati

Professor Sheffali Gulati has contributed to Science & Technology popularization and its communications by Public Health lectures and Print and Audiovisual media. She has developed various innovative tools for building child care and parents/professionals awareness. She has been instrumental in transforming the care of children with neurodevelopmental disorders. She has pioneered Academics/Patient Care/Research/Advocacy through Website- www.pedneuroaiims.org, mobile app Pedneuroaiims, E-learning modules (https://pedneuroaiims.chalopadho.com); Neuropharmacopeia, Parents Education material/videos, National Child Neurology Helpline/Tele-Consultations (24X7;toll free).


**Dr Sheffali Gulati**

Department of Pediatrics, All India Institute of Medical Sciences,

Ansari Nagar, New Delhi


### (2) Shri Rakesh Khatri

Rakesh Khatri is an naturalist and a filmmaker who has spent three decades spreading scientific awareness for a sustainable future. He is popularizing Science & Technology through organizing theatre, workshops, making films, innovative models and games and nature walks. He has carried out campaigns and trainings for teachers & students for spreading scientific literacy about saving birds, biodiversity, conserving water and nature, managing e waste, etc. He has promoted green media literacy through alliances with national media and international organizations. He established pan India networks like ecomasters@greenmedia.net with educators, creatives, students, volunteers, schools, colleges, and NGOs. He also conducted more than 1600 workshops, built and installed 1,25,000 sparrow nests made of jute, wood and other recyclable materials.


**Shri Rakesh Khatri**

6A, Pocket-6, MIG Flats, Mayur Vihar Phase-III, Delhi

# इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार में उत्कृष्ट प्रयास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारः डॉ. कृष्णा कुमारी चल्ला, तेलंगाना

## डॉ. कृष्णा कुमारी चल्ला

डॉ. कृष्णा कुमारी चल्ला दृश्य कला, साहित्य, वीडियो, टीवी और इंटरनेट का उपयोग करके पिछले पंद्रह वर्षों से आम लोगों के लिए विज्ञान संचार कर रही है। वह न केवल उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक अनुसंधान, बल्कि दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व के बारे में भी संचार करती हैं। उन्होंने 1500 लेखों/कविताओं को लिखा और 8000 वैज्ञानिक रिपोर्टों को 2020 में इंटरनेट पर लिखा और पोस्ट किया है। उसे लगभग बारह लाख लोगों ने पढ़ा है। उन्होंने लोगों को लाभ पहुंचाने लिए 225 संवादात्मक विज्ञान सत्र चलाए और दो विज्ञान संचार नेटवर्क ऑनलाइन चलाती हैं।


## डॉ. कृष्णा कुमारी चल्ला

फ्लैट नं. 202, 10–1–851/1, सिद्दीकी रेजीडेंसी

ए.सी. गार्ड्स, खैरताबाद

हैदराबाद, तेलंगाना

## National Award for Outstanding Efforts in Science & Technology Communication in the Electronic Medium: Dr. Krishna Kumari Challa, Telangana

### Dr. Krishna Kumari Challa

Dr. Krishna Kumari Challa has been communicating science to the common people for the past fifteen years using visual art, literature, videos , TV and the internet. She communicates not only high quality scientific research, but also about importance of science in daily life. About twelve lakh people have read the 1500 articles/poems and the 8000 scientific reports she wrote and posted on the internet in 2020. She also conducted 225 interactive science sessions and runs two science communication networks online to benefit people.


### Dr. Krishna Kumari Challa

Flat No.202, 10-1-851/1, Siddiqui Residency

A.C. Guards, Khairatabad

Hyderabad, Telangana

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद् | **National Council for Science and Technology Communication**
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग | **Department of Science and Technology**
टैक्नॉलोजी भवन | **Technology Bhawan**
नई दिल्ली—110 016 | **New Delhi - 110 016**